भविष्यवाणी की उलटी गिनती

प्रकाशितवाक्य का अंतिम पशु

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

वेटिकन सिटी तकनीकी रूप से एक स्वतंत्र देश है-और दुनिया का सबसे छोटा देश है। 1929 में, लेटरन संधि की शर्तों के तहत, वेटिकन सिटी (जिसे होली सी के नाम से भी जाना जाता है) को रोम के भीतर 109 एकड़ के एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया गया था। एक महत्वपूर्ण विश्व शक्ति, वेटिकन दुनिया के शीर्ष देशों के 84 दूतावासों की मेजबानी करता है। इस छोटे से देश में 800 से भी कम लोग रहते हैं, जो पोप द्वारा शासित है, जिसके पास पूर्ण कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शक्तियाँ हैं। इसके अलावा, वेटिकन सिटी की अपनी डाक प्रणाली और मुद्रा है। इसमें दुनिया की सबसे छोटी रेल प्रणाली भी है, जिसमें लगभग एक हजार फुट की पटरियाँ और एक स्टेशन है। इस शहर में दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित करने के लिए एक प्रेस है, एक रेडियो स्टेशन और अपनी स्वयं की फोन और इंटरनेट सेवाएं भी हैं। प्रसिद्ध स्विस गार्ड पोप के लिए पुलिस, सेना और गुप्त सेवा के रूप में कार्य करता है। वेटिकन सिटी में दुनिया के किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक वार्षिक शराब खपत (प्रति व्यक्ति 14.3 गैलन) होती है।

अपने छोटे क्षेत्र के बावजूद, वेटिकन बाइबल की भविष्यवाणी की अंतिम घटनाओं में भी एक बड़ी भूमिका निभाएगा।

अंतिम दिनों में, धार्मिक और राजनीतिक शक्तियों का एक संघ बनेगा जो एक विशिष्ट प्रकार की पूजा के लिए मजबूर करेगा जो यीशु की शिक्षाओं के विपरीत है। शैतान इस नकली पूजा को एक सुंदर चीज़ के रूप में प्रस्तुत करेगा, लेकिन यह परमेश्वर की

आज्ञाओं का उल्लंघन करेगा।

हम कैसे सुनिश्चित हो सकते हैं कि हमें धोखा नहीं दिया जाएगा और हम अपनी प्रतिबद्धताओं से समझौता नहीं करेंगे? पवित्रशास्त्र की भविष्यवाणियों में, परमेश्वर ने इन अंतिम दिनों की गतिविधियों की पहचान करने के लिए स्पष्ट चेतावनी संकेत दिए हैं ...

» जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें...

1 स्वर्ग में कांच के समुद्र पर कौन खड़ा होगा?

प्रकाशितवाक्य 15:2 जो लोग उस ________________ पर और उसकी मूर्ति और उसके ________________ पर और उसके नाम के अंक पर जयवन्त हुए थे, उन्हें उस काँच के समुद्र के निकट परमेश्वर की वीणाओं को लिये हुए खड़े देखा।

ध्यान दें: बाइबल की भविष्यवाणी हमें बताती है कि अंतिम दिनों में, एक दुष्ट शक्ति होगी जो दुनिया के राज्यों में जोड़-तोड़ करेगी और लोगों को परमेश्वर की आज्ञाओं के विपरीत पूजा करने के लिए मजबूर करेगी (प्रकाशितवाक्य 17:12, 13)। जो लोग ईमानदारी से यीशु का अनुसरण करते हैं और इस बुरी शक्ति का विरोध करते हैं उन्हें अनन्त जीवन से पुरस्कृत किया जाएगा।

2 प्रकाशितवाक्य 14 के तीन स्वर्गदूतों के संदेश क्या हैं?

प्रकाशितवाक्य 14:7 परमेश्वर से डरो, और उसकी महिमा करो, क्योंकि उसके ________________ करने का समय ________________ है; और उसका भजन करो, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जल के सोते बनाए।

प्रकाशितवाक्य 14:8 फिर इसके बाद एक और, दूसरा, स्वर्गदूत यह कहता हुआ आया, कि गिर ________________ , वह बड़ा ________________ गिर पड़ा, जिसने अपने व्यभिचार की कोपमय मदिरा सारी जातियों को पिलाई है।

AMAZING FACTS INTERNATIONAL
प्रतिलिप्याधिकार © 2025 अमेजिंग फैक्ट्स इंटरनेशनल द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित
P.O. Box 1058, Roseville, CA 95678 | amazingfacts.org | AFTV.in | 800-538-7275 | पवित्रशास्त्र के उद्धरण हिंदी बाइबिल (बीएसआई) और (ऑनलाइन-बीएसआई) से लिए गए हैं।

प्रकाशितवाक्य 14:9, 10 जो कोई उस ________________ और उसकी मूर्ति की ________________ करे, और अपने माथे या अपने हाथ पर उसकी छाप ले वह परमेश्वर के प्रकोप की निरी मदिरा ... पीएगा।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य 14:14 में यीशु के स्वर्ग के बादलों में आने का वर्णन किया गया है। यीशु की वापसी से तुरंत पहले, प्रकाशितवाक्य 14:6-14 कहता है कि लोगों को उस महान दिन के लिए तैयार करने के लिए आशा और चेतावनी का एक अद्भुत तीन-भागीय संदेश पूरी दुनिया में जाएगा। इनमें से एक संदेश पशु की पूजा करने और उसकी छाप प्राप्त करने के खिलाफ चेतावनी देता है।

इस पाठ में हम पशु की पहचान करेंगे। भविष्य के पाठ में, हम छाप की पहचान करेंगे। अनन्त जीवन स्वयं दांव पर है, इसलिए अध्ययन करते समय परमेश्वर के मार्गदर्शन और समझ के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करें!

3 बाइबल की भविष्यवाणी में एक पशु क्या दर्शाता है?

दानिय्येल 7:17 उन चार बड़े बड़े ________________ का अर्थ चार ________________ हैं, जो पृथ्वी पर उदय होंगे।

दानिय्येल 7:23 उस चौथे जन्तु का अर्थ, एक चौथा ________________ है, जो पृथ्वी पर होकर और सब राज्यों से भिन्न होगा।

दानिय्येल 8:21 और वह रोंआर बकरा यूनान का ________________ है।

ध्यान दें: बाइबल की भविष्यवाणी में, एक पशु एक सरकार, राज्य या राजनीतिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। परमेश्वर राष्ट्रों के प्रतीक के रूप में पशुओं का उपयोग करता है, जैसे हम आज करते हैं-एक चील (संयुक्त राज्य अमरीका), एक भालू (रूस), आदि। बाइबल में, "पशु" आवश्यक रूप से एक अपमानजनक शब्द नहीं है। यह पशुवत् विशेषताओं का सुझाव नहीं देता। जिस पशु की छाप है उसे प्रकाशितवाक्य 13:1-10, 15-18 में चित्रित किया गया है। कृपया अगले प्रश्न पर आगे बढ़ने से पहले इन पद्यों को पढ़ने के लिए समय निकालें।

4 बाइबल पशु की पहचान कैसे करती है?

प्रकाशितवाक्य 13:1 तब मैं ने एक ________________ को समुद्र में से निकलते हुए देखा, जिसके दस सींग और सात सिर थे। उसके सींगों पर दस राजमुकुट, और उसके सिरों पर परमेश्वर की निन्दा के नाम लिखे हुए थे।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य 13 में, परमेश्वर हमें पशु की पहचान करने में मदद करने के लिए दस सुराग देता है। वह हमें विशेषताओं की एक लंबी सूची देता है ताकि हम पशु की पहचान के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त हो सकें।

1. समुद्र से ऊपर निकलता है (पद्य 1)
2. अजगर से अपनी सामर्थ्य और अपना सिंहासन और बड़ा अधिकार प्राप्त करता है (पद्य 2)
3. एक विश्वव्यापी शक्ति बन जाता है (पद्य 3, 7)
4. ईशनिंदा का दोषी है (पद्य 1, 5, 6)
5. बयालीस भविष्यवाणी महीनों तक शासन करता है (पद्य 5)
6. एक प्राणघातक घाव मिलता है जो ठीक हो जाता है (पद्य 3)
7. एक धार्मिक शक्ति है जो पूजा प्राप्त करती है (पद्य 4, 8)
8. परमेश्वर के पवित्र लोगों को सताता है (पद्य 7)
9. रहस्यमय संख्या 666 है (पद्य 18)
10. एक सर्वोच्च व्यक्ति द्वारा नेतृत्व किया जाता है (पद्य 18)

केवल एक ही शक्ति सभी दस पहचान चिन्हों पर ठीक बैठती है-पोपतंत्र। लेकिन निश्चित होने के लिए, हम उन पर एक-एक करके सावधानीपूर्वक विचार करेंगे।

5 यह पशु समुद्र से उत्पन्न होता है। समुद्र या पानी किसका प्रतीक है?

प्रकाशितवाक्य 17:15 जो _______________ तू ने देखे ... वे तो _______________ और भीड़ और जातियाँ और भाषाएँ हैं।

ध्यान दें: भविष्यवाणी में, पानी बड़ी संख्या में लोगों या भारी आबादी वाले क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। भविष्यवाणी में भविष्यवाणी की गई थी कि पशु तत्कालीन ज्ञात दुनिया के स्थापित राष्ट्रों के बीच से उत्पन्न होगा। पोपतंत्र पश्चिमी यूरोप में उभरा, इसलिए यह पहचान बिंदु एक पर ठीक बैठता है। लेकिन अन्य नौ पहचान बिंदुओं के बारे में क्या?

6 पशु को उसकी सामर्थ्य और सिंहासन कौन देता है?

प्रकाशितवाक्य 13:2 उस _______________ ने अपनी _______________ और अपना _______________ और बड़ा अधिकार उसे दे दिया।

ध्यान दें: पशु-जिसके पास वह छाप है जिससे हमें बचना चाहिए-ने अजगर से अपनी शक्ति, अधिकार और राजधानी प्राप्त की। प्रकाशितवाक्य 12:3-5 के अनुसार, अजगर वह शक्ति है जिसने बालक यीशु को उसके जन्म के समय नष्ट करने की कोशिश की थी। यह शैतान ही था जिसने बुतपरस्त रोमन साम्राज्य के राजा हेरोदेस को बैतलहम में सभी नर शिशुओं को मारने के लिए प्रेरित किया था (मत्ती 2:13, 16)।

बुतपरस्त रोम ने अपना अधिकार और राजधानी किसे दी? इतिहास स्पष्ट है कि बुतपरस्त रोम ने अपनी शक्ति और राजधानी रोम की कलीसिया को सौंप दी। "रोमन कलीसिया... ने खुद को रोमन विश्व-साम्राज्य के स्थान पर स्थापित कर दिया, जिसकी यह वास्तविक निरंतरता है। ... पोप, जो खुद को 'राजा' और 'पोंटिफेक्स मैक्सिमस' कहता है, कैसर का उत्तराधिकारी है। तो बिंदु दो पोपतंत्र पर भी ठीक बैठता है।

स्रोत

Adolph Harnack, What Is Christianity? (New York: Putnam, second edition, revised, 1901), p. 270.

7 Hपशु का प्रभाव कितना दूरगामी है?

प्रकाशितवाक्य 13:3 और सारे ________________ के ________________ उस पशु के पीछे–पीछे अचम्भा करते हुए चले।

ध्यान दें: इतिहासकारों को इसमें कोई संदेह नहीं है कि मध्य युग के दौरान, पोपतंत्र एक विश्वव्यापी शक्ति थी। वास्तव में, "कैथोलिक" शब्द का अर्थ "सार्वभौमिक" है। हम देख सकते हैं कि बिंदु 3 भी पोपतंत्र पर ठीक बैठता है।

अब कृपया ध्यान दें कि ऐसे कई धर्मनिष्ठ, प्रेमपूर्ण रोमन कैथोलिक मसीही हैं जिन्हें परमेश्वर अपनी संतान मानता है। ऐसे कई दयालु और साहसी पोप भी हुए हैं जो परमेश्वर से प्रेम करते थे। इस पाठ का उद्देश्य हमारे कैथोलिक मित्रों पर हमला करना नहीं है; इसका उद्देश्य केवल उन भविष्यवाणियों की ईमानदारी से व्याख्या करना है जो एक धार्मिक-राजनीतिक संस्था का उपयोग करने की शैतान की योजना को उजागर करती हैं जो कलीसियाओं को शास्त्र की सच्चाई से दूर ले जाती है।

8 पशु के मुँह से क्या निकलता है?

प्रकाशितवाक्य 13:6 उसने परमेश्वर की ________________ करने के लिये मुँह खोला कि उसके नाम और उसके तम्बू अर्थात् स्वर्ग के रहनेवालों की ________________ करे।

ध्यान दें: बाइबल “निन्दा” को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करती है जो पापों को क्षमा करने का दावा करता है (लूका 5:21) और परमेश्वर होने का दावा करता है (यूहन्ना 10:33)। पोपतंत्र साहसपूर्वक पापों को क्षमा करने की शक्ति का दावा करता है। कैथोलिक कैटेकिज़्म के निम्नलिखित भाग पर ध्यान दें: “क्या कैथोलिक पादरी वास्तव में पापों को क्षमा करता है, या क्या वह केवल यह घोषणा करता है कि उन्हें आगे कर दिया गया है?” कैथोलिक पादरी मसीह द्वारा उसे दी गई शक्ति के आधार पर वास्तव में पापों को क्षमा कर देता है। पोपतंत्र का यह भी दावा है कि पोप परमेश्वर के बराबर है। पोप लियो XIII ने कहा, “हम [पोप] इस धरती पर सर्वशक्तिमान परमेश्वर का स्थान रखते हैं।” यहाँ पोप के बारे में एक और चौंकाने वाला बयान है: “तू पृथ्वी पर एक और परमेश्वर है।” तो बिंदु 4 भी पोपतंत्र पर ठीक बैठता है।

स्रोत

Joseph Deharbe, S.J., A Complete Catechism of the Catholic Religion (New York: Schwartz, Kirwin & Fauss, 1924), p. 279.

Christopher Marcellus, Oration in the Fifth Lateran Council, Session IV (1512), manuscript SC, Vol. 32, col. 761 (Latin).

Pope Leo XIII, Encyclical Letter “The Reunion of Christendom,” dated June 20, 1894, trans. in The Great Encyclical letters of Pope Leo XIII (New York: Benziger, 1903), p. 304.

9 यह पहला पशु कब तक शासन करेगा?

प्रकाशितवाक्य 13:5 और उसे ________________ महीने तक काम करने का अधिकार दिया गया।

ध्यान दें: भविष्यवाणी में, एक भविष्यवाणी का दिन एक शाब्दिक वर्ष के बराबर होता है (यहेजकेल 4:6; गिनती 14:34)। भविष्यवाणी में इस समयावधि को बार-बार साढ़े तीन साल, 42 महीने या 1,260 दिन के रूप में संदर्भित किया गया है। यहूदियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले 30-दिवसीय कैलेंडर के आधार पर, सभी तीन समयावधियों में कुल मिलाकर 1,260 भविष्यवाणी दिन या 1,260 शाब्दिक वर्ष होते हैं।

पोप रोम की विश्वव्यापी शक्ति तब आधिकारिक हो गई, जब 538 ईसवी में, सम्राट जस्टिनियन के द्वारा पोपतंत्र को सर्वोच्च बनाने के आदेश का विरोध नहीं किया गया। हालाँकि, पोपतंत्र को 1798 में एक घातक झटके के रूप में पेश किया गया जब पोप को नेपोलियन के जनरल अलेक्जेंडर बर्थियर ने पकड़ लिया। 538 ईसवी से 1798 ईसवी के बीच की समयावधि 1,260 वर्ष है! बिंदु 5 भी पोपतंत्र पर ठीक बैठता है।

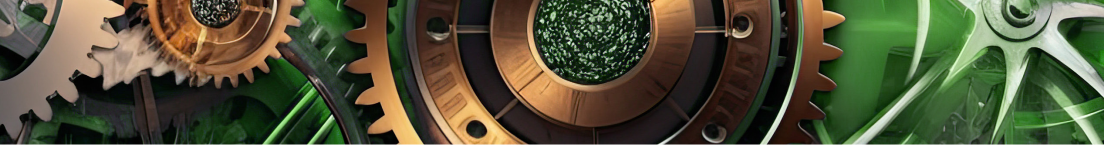

10 बयालीस महीनों के बाद पशु का क्या हुआ?

प्रकाशितवाक्य 13:3 मैंने उसके सिरों में से एक पर ऐसा भारी घाव लगा देखा मानो वह मरने पर है, फिर उसका ________________ घाव ________________ हो गया, और सारी पृथ्वी के लोग उस पशु के पीछे–पीछे अचम्भा करते हुए चले।

ध्यान दें: जैसा कि उल्लेख किया गया है, 1798 में जब जनरल बर्थियर पोप को बंदी बनाकर फ्रांस ले गया, जहां निर्वासन में उसकी मृत्यु हो गई, तो पोप को एक घातक घाव मिला। यूरोप के आधे लोगों ने सोचा कि यह घटना पोपतंत्र के अंत का संकेत है, लेकिन परमेश्वर ने कहा था कि घाव ठीक हो जाएगा और पोपतंत्र की शक्ति और प्रभाव तब तक बहाल रहेगा जब तक कि पूरी दुनिया उसके नेतृत्व का अनुसरण नहीं कर लेती।

वैटिकन के निपुण अंदरूनी सूत्र मलाकी मार्टिन ने अपनी पुस्तक इस खून की कुंजी में निम्नलिखित खुलासा किया है: “पोप 20 वीं सदी का सबसे प्रसिद्ध व्यक्ति है, ... उसने 91 देशों के नेताओं के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाए, ... और अब विश्वव्यापी शासन के लिए तैयार है।” आप इसे आज देख सकते हैं; पोपतंत्र, कई मायनों में, पृथ्वी पर सबसे प्रभावशाली शक्ति है। और पोप की प्रत्येक यात्रा के साथ, उसकी शक्ति और प्रभाव बढ़ता जाते हैं। दुनिया भर में लाखों लोग विश्व एकता, शांति और शालीनता के लिए पोपतंत्र को एकमात्र आशा के रूप में देखते हैं-बिल्कुल वैसा ही जैसा कि परमेश्वर ने भविष्यवाणी की थी। पोपतंत्र स्पष्ट रूप से बिंदु 6 पर ठीक बैठता है।

स्रोत

Joseph Rickaby, “The Modern Papacy,” Lectures on the History of Religion (London: Catholic Truth Society, 1910), Vol. 3, Lecture 24, p. 1.

Malachi Martin, The Keys of This Blood (New York: Simon & Schuster, 1990), pp. 123, 490, 143

11 क्या पशु एक धार्मिक शक्ति है?

प्रकाशितवाक्य 13:15 और जितने लोग उस पशु की मूर्ति की ________________ न करें, उन्हें मरवा डाले।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य में यह स्पष्ट किया गया है कि यह इकाई आध्यात्मिक मामलों में शामिल होगी। इस शक्ति के संदर्भ में प्रकाशितवाक्य 13 में “पूजा” (या “पूजा कराना”) शब्द का प्रयोग पाँच बार किया गया है। पोपतंत्र निश्चित रूप से बिंदु 7 पर ठीक बैठता है।

12 पशु पवित्र लोगों के साथ क्या करता है?

प्रकाशितवाक्य 13:7 उसे यह भी अधिकार दिया गया कि पवित्र लोगों से

________________ और उन पर ________________ पाए।

ध्यान दें: यह सामान्य ज्ञान है कि पोपतंत्र ने कर्तव्यनिष्ठ मसीहियों को सताया और नष्ट कर दिया, खासकर मध्य युग के दौरान, जो उसके नियंत्रण का चरम काल था। कई इतिहासकारों का कहना है कि संकट की इस अवधि के दौरान 5 करोड़ से अधिक लोग अपने विश्वास के लिए मारे गए। जाहिर तौर पर, कैथोलिक कलीसिया को लगा कि वह "विधर्म" खत्म करके परमेश्वर पर एहसान कर रही है। पोप ने कहा है कि कैथोलिक कलीसिया को उसके अत्याचारों के लिए क्षमा कर दिया जाए, लेकिन तथ्य यह है कि उसने अत्याचार किया और नष्ट किया। पोपतंत्र बिंदु 8 पर भी ठीक बैठता है।

13 वह रहस्यमय संख्या कौन सी है जो पशु की पहचान कराती है?

प्रकाशितवाक्य 13:18 उसका अंक ________________ है।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य 13:18 में, परमेश्वर पशु के नाम की संख्या गिनने के लिए कहता है और यह एक आदमी की संख्या है। जब हम पोपतंत्र के बारे में सोचते हैं, तो स्वाभाविक रूप से हम जिस व्यक्ति के बारे में सोचते हैं वह पोप है। इसका नाम क्या है? पोप की आधिकारिक उपाधियों में से एक "परमेश्वर के पुत्र का प्रतिनिधि" है, जो लैटिन (कलीसिया की आधिकारिक भाषा) में "वाइकेरियस फिलिआई डीआई" है। समाचार पत्रों के लेख, जब पोप को "मसीह के प्रतिनिधि" के रूप में संदर्भित करते हैं, तो अक्सर शब्दों को उद्धरण चिह्नों में संलग्न किया जाता है ताकि यह दिखाया जा सके कि वे उसके शीर्षक का अनुवाद है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक कह रही है कि उसके नाम के अक्षरों का रोमन अंक का जोड़ 666 के बराबर होगा। आइए देखें कि अंक 9 और 10 पोपतंत्र पर ठीक बैठते हैं या नहीं:

V	5	**F**	0	**D**	500	**कुल**
I	1	**I**	1	**E**	0	112
C	100	**L**	50	**I**	1	53
A	0	**I**	1		501	501
R	0	**I**	1			666
I	1		53			
U	5					
S	0					
	112					

इसमें कोई संदेह नहीं रहना चाहिए। प्रकाशितवाक्य 13 में चित्रित सभी दस विशेषताएँ पोपतंत्र पर ठीक बैठती हैं। और इस शक्ति की एक विशिष्ट छाप है जिसे प्राप्त करने का हमें साहस नहीं करना चाहिए। भविष्य के पाठ में, हम पशु की “छाप” की पहचान करेंगे। यदि आप पर छाप लग गयी, तो आप खो जाएंगे। कई लोगों को पता चलेगा कि छाप से बचने के लिए जबरदस्त संघर्ष करना पड़ता है। लेकिन परमेश्वर हमें इन अंतिम दिनों में उसकी सभी आज्ञाओं का सम्मान करने के लिए विश्वास और साहस देगा।

14 परमेश्वर उन लोगों की पहचान कैसे करता है जो पशु पर विजय पाते हैं?

प्रकाशितवाक्य 14:12 पवित्र लोगों का धीरज इसी में है, जो परमेश्वर की ________________ को मानते और यीशु पर ________________ रखते हैं।

ध्यान दें: भविष्य में निश्चित रूप से कुछ अद्भुत और महत्वपूर्ण घटनाएँ आ रही हैं, लेकिन जो लोग यीशु का अनुसरण करते हैं उन्हें डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। हम जानते हैं कि लड़ाई कौन जीतेगा- क्योंकि परमेश्वर का वचन वादा करता है, “जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है।” (1 यूहन्ना 4:4)।

» आप का जवाब

क्या आप यीशु का अनुसरण करने के लिए तैयार हैं जहाँ भी वह ले जाए, भले ही आप अपने दोस्तों को खो दें?

उत्तर: ________________

ध्यान दें:

हमारे मुफ्त् ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के
साथ बाइबल के महान सत्य की खोज करें
AMAZ!NG
BIBLE STUDIES
AmazingBibleStudies.com

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

भविष्यवाणी की उलटी गिनती
पाठ 11

11

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org
AFTV.in